जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 19 जनवरी 2017

डाक विभाग ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया पर जारी किया विशेष आवरण

जामिया मिल्लिया इस्लामिया : जेएमआई : पर डाक विभाग ने आज विशेष आवरण जारी किया। यह आवरण जामिया के षताब्दी वर्ष की तैयारियों के अंतर्गत जारी किया गया है। महात्मा गांधी और मौलाना मुहम्मद अली जौहर आदि की पहल पर 1920 में जामिया की स्थापना हुई थी। 2020 में जेएमआई का षताब्दी वर्ष मनाया जाएगा।

इस विशेष आवरण पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया और मौलाना जौहर की तस्वीर छपी है तथा मषहूर दिवंगत पार्षव गायक मुहम्मद रफी की तस्वीर वाली डाक टिकट लगी है। दिल्ली सर्किल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल श्री एल एनष्षर्मा ने इसे जारी किया।

इस अवसर पर जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद ने कहा कि जामिया विष्वविद्यालय की बुनियाद आजादी की लडाई से जुडी है। ''महात्मा गांधी और मौलाना जौहर ने अलीगढ मुस्लिम विष्वविद्यालय के अध्यापकों से ऐसा नया विष्वविद्यालय खोलने को कहा जो ब्रिटिष राज के दखल से आजाद हो।''

उन्होंने बताया कि जेएमआई पहले अलीगढ , फिर दिल्ली के करौल बाग और अंततः आज की जगह ओखला में स्थापित हुआ।

प्रो अहमद ने बताया कि जेएमआई भारत के सबसे पुराने विष्वविद्यालयों में से एक है। इस विष्वविद्यालय के षताब्दी वर्ष को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग द्वारा विशेष आवरण जारी करने के लिए उन्होंने श्री षर्मा का आभार व्यक्त किया।

कुलपति ने कहा कि डाक टिकट अपने आप में किसी देष के इतिहास, भूगोल और संस्कति को बयां करते हैं।

जेएमआई को स्थापित करने में महात्मा गांधी , मौलाना जौहर के अलावा मौलाना महमूद हसन, हकीम अजमल खां, डा मुख्तार अंसारी और अब्दुल मजीद ख्वाजा जैसे राष्टरवादी और दूरदर्षी लोगों ने अहम भूमिका निभाई।

विशेष आवरण में जामिया का संक्षिप्त इतिहास बताते हुए जानकारी दी गई है कि 1988 में भारतीय संसद ने एक विशेष अधिनियम के तहत जेएमआई को केन्द्रीय विष्वविद्यालय घोषित किया ।

जेएमआई में आयोजि त इसी कार्यक्रम में विष्व विख्यात लोटस टेम्पल पर भी विशेष आवरण जारी किया गया। जेएमआई के छात्र रहे और अब 20 साल से लोटस टेम्पल के महा निदेषक श्री षाहीन जाविद ने इस विशेष आवरण को जारी किया। श्री जाविद ने बताया कि लोटस टेम्पल दुनिया का ऐसा अनूठा प्रार्थना स्थल है जहां सभी मजहबों को मानने वाले एक छत के नीचे प्रार्थना कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि लोटस टैम्पल सभी आस्थाओं के समावेष का सिंबल है और ''सबका समावेष '' की सीख उन्हें जामिया मिल्लिया इस्लामिया से मिली है।

उन्होंने बताया कि इस प्रार्थना स्थल पर हर साल औसतन 60 लाख लोग आते हैं। लोटस टैम्पल की 30 वीं बरसी के अवसर पर यह विशेष आवरण जारी किया गया है।

इस अवसर पर श्री षर्मा ने जेएमआई के कुलपति को ''माई स्टैम्प '' योजना के तहत उनकी फोटो वाले डाक टिकट का एक सेट भेंट करके उन्हें आष्चर्यचकित कर दिया।

श्री षर्मा ने जानकारी दी कि डाक विभाग के जरिए एक मौन क्रांति चल रही है जिसके तहत भारतीय डाक विभाग देष का सबसे बडे बचत खाते वाली संस्था बन गया है। उन्होंनें बताया कि डाक विभाग के सीबीएस खातों के तहत 33 करोड. से अधिक खाते खुल चुके हैं जो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से भी अधिक हैं।

इस मौके पर जेएमआई प्रांगण में '' कालिंदी 2017 '' नामक एक डाक प्रदर्षनी और बच्चों की पेंटिग स्पर्धा का भी आयोजन किया गया। पेंटिग स्पर्धा में लगभग दर्जन भर स्कूलों के सैंकड.ों बच्चों ने हिस्सा लिया।

समारोह में प्रवर अधीक्षक डाकघर अनुब्रता दास, जेएमआई के वित्तीय अधिकारी श्री संजय कुमार और जामिया के स्कूलों के प्रिंसपल भी मौजूद थे।

प्रो साईमा सईद
डिप्टि मिडिया कोआरडिनेटर
मोबाईल 9891227771